बापू टावर में गांधी जी के विचारों और आदर्श को विस्तार से जानेंगे लोग

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बापू टावर का निरीक्षण किया, 2 अक्टूबर को आम लोगों के लिए खुल जाएगा, पटना के गर्दनीबाग में बना टावर 7 एकड़ में फैला है

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

अगले महीने महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) के दिन "बापू टावर" आम लोगों के लिए खुल जाएगा। यह टावर गर्दनीबाग (पटना) में 7 एकड़ में बना है। मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसका निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने प्रेक्षागृह, प्रतीक्षा कक्ष, लाउंज, दीर्घा, अनुसंधान केंद्र एवं अन्य संरचनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा-यहां आकर खासकर नई पीढ़ी महात्मा गांधी की जीवनी, उनके विचार, आदर्श आदि को जान सकेगी। यहां महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाएं, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, बिहार से उनका लगाव आदि को प्रदर्शित किया जाना है। यह बहुत दर्शनीय होगा। उन्होंने टावर के आसपास की सड़कों को और चौड़ा कराने तथा उसके किनारे पौधरोपण कराने की बात कही। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। ओरिएंटेशन हॉल में टर्न टेबल थियेटर शो (रोटेटिंग पर्दा) को देखा। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को टावर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर को मुख्यमंत्री इसका लोकार्पण करेंगे।

102 फीट ऊंची बिल्डिंग में सबकुछ होगा

बापू टावर के दो मुख्य भाग हैं-आयताकार एवं शंकुकार। जी प्लस 6 आयताकार भवन में 3 गैलरी, प्रेक्षागृह, अस्थायी प्रदर्शनी दीर्घा, कार्यालय कक्ष, प्रतीक्षालय, म्यूजियम शॉप एवं जलपान गृह है। 102 फीट ऊंचे शंकुकार भवन में लगातार क्रम में 5 रैंप हैं।

2 अक्टूबर 2018 को शिलान्यास हुआ था : महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती यानी 2 अक्टूबर 2018 को बापू टावर का शिलान्यास हुआ। चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह 10 अप्रैल 2017 से 20 अप्रैल 2018 तक हुआ था। 10 एवं 11 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बापू टावर के निर्माण की घोषणा की थी। इसकी शुरुआत की। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव अनुपम कुमार, ओएसडी गोपाल सिंह व अन्य रहे।

फसल सहायता के लिए

बंद योजनाओं को जल्द